सत्यमेव जयते

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

MESSAGE

With great pleasure, I extend my heartfelt greetings and felicitations to teachers throughout the country. We celebrate the Teachers' Day on the birth anniversary of one of the greatest teachers of modern times and my illustrious predecessor, Dr.Sarvepalli Radhakrishnan.

Also a renowned philosopher, he defined the role of the teacher as someone who acts not only as an educator but also as a moral mentor and imbues values among students. It is with sheer perseverance and patience that a teacher helps students comprehend the rich legacy of our culture. Ideal teachers consistently encourage students to pursue this objective and realize their goals. No doubt, teachers are the guiding force for students and true builders of our nation. This is the precise reason why the 'Guru-Shishya' tradition holds special reverence in Indian culture.

The changing times call for new methods of pedagogy that may help us equip our younger generation, to learn, explore and contribute more efficiently to the society. I hope that we continue to be guided by our sagacious teachers and build a future of this great nation.

I extend warm greetings to the community of teachers and wish them great success in their endeavours in the making of an enlightened community of students who will lead our country to great glory in the days to come.

(Ram Nath Kovind)

New Delhi
August 31, 2020

सत्यमेव जयते

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

संदेश

आधुनिक युग के महानतम शिक्षक और मेरे पूर्ववर्ती, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर, मैं देश के सभी शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और उनका अभिनंदन करता हूं।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक प्रसिद्ध दार्शनिक भी थे। उन्होंने शिक्षक की भूमिका को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जो न केवल एक शिक्षक की अपितु एक नैतिक मार्गदर्शक की भूमिका भी निभाए और विद्यार्थियों में उदात्त जीवन मूल्यों का संचार करे। शिक्षकगण अत्यंत लगन और धैर्य के साथ, विद्यार्थियों को हमारी उन्नत संस्कृति और समृद्ध विरासत का ज्ञान प्राप्त करने में सहायक होते हैं। आदर्श शिक्षक वही होता है जो विद्यार्थियों को इस मार्ग पर चलने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि शिक्षकगण हमारे विद्यार्थियों के प्रेरणा-स्रोत और सच्चे राष्ट्रनिर्माता होते हैं। शिक्षकों की इस महती भूमिका को देखते हुए भारतीय संस्कृति में 'गुरु-शिष्य परंपरा' को विशेष सम्मान दिया जाता रहा है।

बदलते समय में हमें अपनी शिक्षा पद्धति में ऐसे अभिनव तौर-तरीकों का समावेश करने की आवश्यकता है, जिससे युवा पीढ़ी को ज्ञानार्जन, अन्वेषण और अनुप्रयोग का अवसर मिले और वे, समाज में बेहतर योगदान कर सकें। मुझे आशा है कि हमें इस दिशा में अपने दूरदर्शी शिक्षकों का मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा और हम सब मिलकर एक महान राष्ट्र के भविष्य-निर्माण में योगदान देते रहेंगे।

इस शुभ अवसर पर, मैं समूचे शिक्षक समुदाय को हार्दिक बधाई देता हूं और कामना करता हूं कि वे, ऐसे विद्यार्थी तैयार करने के अपने प्रयासों में सफल हों जो आने वाले समय में हमारे देश का गौरव और मान बढ़ाएं।

(राम नाथ कोविन्द)

नई दिल्ली
31 अगस्त, 2020

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा और शिक्षण के क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को बहुत-बहुत बधाई। शिक्षा के प्रति सदैव समर्पित, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जीवन भर अपने आप को एक शिक्षक के रूप में ही प्रस्तुत करते थे। उनके योगदान को याद करते हुए, शिक्षकों के सम्मान में मनाया जाने वाला यह दिन अपने आप में अनूठा है।

गुरु-शिष्य परंपरा से समृद्ध हमारी संस्कृति में शिक्षक को ईश्वर के समतुल्य माना गया है। विद्यार्थियों को ज्ञान, संस्कार व जीवन मूल्य देकर शिक्षक राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे बच्चों में निरंतर सीखने की क्षमता का विकास कर उनके जीवन को एक सकारात्मक दिशा देते हैं।

बदलती परिस्थितियों में आज समय की मांग है कि विद्यार्थियों को तकनीक के साथ ही, भविष्य की जरूरतों के लिए सक्षम बनाया जाए। देश को अच्छे पेशेवर और उत्तम नागरिक मिल सकें, साथ ही भारत का टैलेंट भारत में ही रहकर आने वाली पीढ़ियों का विकास करे, इसके लिए हमारे शिक्षकों को निरंतर प्रयास करने की, स्वयं को भी रि-स्किल और अप-स्किल करने की आवश्यकता है।

देश की नई शिक्षा नीति भी रोज़गार व भविष्य की आवश्यकताओं पर केन्द्रित है, जो हमारे युवाओं को आधुनिक वैश्विक मूल्यों के अनुसार सक्षम बनाने में सहायक सिद्ध होगी। भारत के वर्तमान और भविष्य को बनाने का यह कार्य एक महायज्ञ की तरह है।

मुझे विश्वास है कि यह दिन देश भर के शिक्षकों को विद्यार्थियों की क्षमताओं में वृद्धि करते हुए उनके रचनात्मक व समग्र विकास हेतु प्रेरित करेगा। इस अवसर पर मैं सभी शिक्षकों को उनके योगदान के लिए नमन करता हूं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
भाद्रपद 11, शक संवत् 1942
02 सितंबर, 2020

रमेश पोखरियाल 'निशंक'
Ramesh Pokhriyal 'Nishank'

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF EDUCATION
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

संदेश

एक शिक्षक हमारे जीवन का मित्र और मार्गदर्शक होता है जो हमें अच्छे संस्कार देता है। शिक्षक छात्रों को ज़िम्मेदार नागरिकों में बदलने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं। शिक्षक हम सब के जीवन में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक दिवस एक विशेष दिन है जब उनके बहुमूल्य योगदान के लिए हम उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं, उनके प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हैं।

इस शिक्षक दिवस पर यह याद करने के लिए उपयुक्त है कि संस्कृत शब्द गुरु में 'गु' का अर्थ है "अंधेरा" और 'रु' का अर्थ है "पदच्युत", 'मन' का अर्थ है "सोचना" और 'त्र' का अर्थ है "मुक्त करना"। इसलिए गुरु का अर्थ है अंधकार का निवारण करने वाला और 'गुरु मंत्र' मुक्ति का एक साधन है। भारतीय वाङ्गमय में गुरु का स्थान सर्वोपरि है –

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः
गुरु साक्षात परब्रह्मा तस्मै श्रीगुरवे नमः

अर्थात् "गुरु ही सृष्टिकर्ता (ब्रह्मा) है, गुरु ही प्रेक्षक (विष्णु) है, गुरुदेव ही विनाशक (महेश्वरा) है, गुरु ही ईश्वर (एक परम शक्ति) है, स्वयं उस श्री गुरु को नमस्कार"।

भारत में शिक्षक दिवस एक महान शिक्षक, राजनेता, विद्वान, दार्शनिक और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के शुभ अवसर पर शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए हर वर्ष 5 सितंबर को मनाया जाता है। इस पावन अवसर पर मैं सभी शिक्षकों को उनके अपार योगदान के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

(रमेश पोखरियाल 'निशंक')

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

स्वच्छ भारत

Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115
Phone : 91-11-23782387, 23782698, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.hrd@gov.in

संजय धोत्रे
SANJAY DHOTRE

शिक्षा, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालयों के राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE IN THE
MINISTRIES OF EDUCATION,
COMMUNICATIONS AND ELECTRONICS &
INFORMATION TECHNOLOGY
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

MESSAGE

Teachers' role in any society is indisputably foundational. It is the teachers on whose shoulders any civilisation stands up and looks towards its future. Teachers, i.e. Acharya have been traditionally placed at a very high pedestal in Indian Society, placed just immediately after Matru, i.e. Mother and Pitru, i.e. Father, as they play the most crucial role in the cognitive, philosophical, intellectual, aesthetic and even spiritual development of any man or woman.

The National Education Policy 2020 announced recently treats teachers and their role as pivotal to the educational rejuvenation of this country. It endeavours to re-establish teachers at all levels, as the most respected and essential members of our society, because they truly shape our next generation of citizens.

On this auspicious occasion of Teachers' Day, I pay my rich tribute to Dr. Sarvapalli Radhakrishnan ji, the former President of India, who was a great scholar, philosopher, author and educationist par excellence.

I wish all the teachers a great success in their endeavours in preparation of an enlightened community of students who will lead our country to greater glory in the days to come.

(SANJAY DHOTRE)

Office : Room No. 126, 'C' Wing, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Tel. : +91-11-23384073, 23386163, Fax : +91-11-23385112